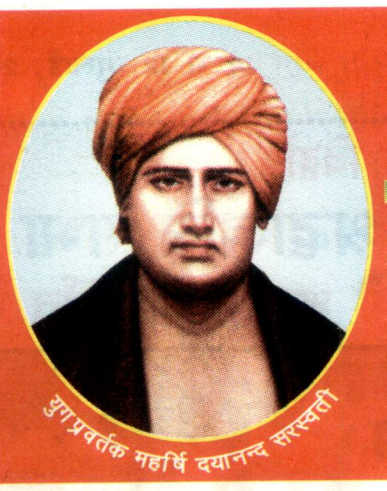
युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 12 अंक 51 कुल पृष्ठ-8 6 से 12 जुलाई, 2017 दयानन्दाब्द 193 सृष्टि सम्वत् 1960853118 सम्वत् 2074 आ. शु.-12

आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश तेलंगाना के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया गया भव्य कार्यक्रम

शरीर व मन दोनों को पवित्र करता है योग

– प्रो. विट्ठलराव आर्य

विधान परिषद् के सभापति के. स्वामी गौड़ के सान्निध्य में उमानगर कुन्दनबाग स्थित वैदिक आश्रम कन्या गुरुकुल के विशाल प्रांगण में सैकड़ों व्यक्तियों ने की योग की क्रियाएँ

हैदराबाद, 21 जून, 2017, आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश तेलंगाना के तत्वावधान में आज उमानगर कुन्दनबाग स्थित वैदिक आश्रम कन्या गुरुकुल में विश्व योग दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद् के सभापति श्री के. स्वामी गौड़ उपस्थित रहे। योगाचार्य देवेन्द्र ने उपस्थित जनसमूह को आसन एवं प्राणायाम की विधियों की जानकारी दी। आचार्य निर्मला योगभारती जी ने इस अवसर पर योगासन एवं प्राणायाम के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आचार्य भवभूति व जयराज के योग शिक्षार्थियों के कार्यक्रम ने सभी को अत्यन्त प्रभावित किया।

इस अवसर पर विधान परिषद् के सभापति के. स्वामी गौड़ ने अपने संदेश में योग शिक्षा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर योग की ख्याति बढ़ने पर हर्ष व्यक्त किया। इस भव्य कार्यक्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश तेलंगाना के प्रधान ठा. लक्ष्मण सिंह जी तथा सभा के मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य सहित सभा के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा आन्ध्र प्रदेश तेलंगाना के मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य ने योग की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि योग करने से शरीर व मन दोनों स्वस्थ तथा पवित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि मन की वृत्तियों के अधीन होकर ही व्यक्ति अपने सभी कार्य करता है। यदि उसकी ये वृत्तियाँ अमर्यादित तथा भोगोन्मुखी होंगी तो उसके कर्म भी उसी प्रकार के होंगे। यदि चित्त वृत्तियाँ शान्त एवं नियमित होंगी तो इनका प्रभाव व्यक्ति के दैनिक जीवन एवं उसके कार्यों पर भी पड़ेगा। प्रो. साहब ने कहा कि योग की क्रियाओं को करने से जहाँ हमारा शरीर स्वस्थ होता है, बीमारियाँ दूर होती हैं वहीं इन क्रियाओं से हम अपने मन को भी नियंत्रित कर पाते हैं, मन के नियंत्रित होने से व्यक्ति को असत्य, हिंसा, चोरी, दुराचार आदि अनैतिक एवं समाज विरोधी कार्यों से अरुचि उत्पन्न होती है और वह सही मायनों में मनुष्य बन पाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि ने योग को आठ अंगों में विभक्त किया है। योग के इन आठ अंगों पर सावधानी से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि इनके पालन से व्यक्ति एवं समाज दोनों ही नियंत्रित रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से योग की क्रियाएँ करते रहना चाहिए। योग दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम अत्यन्त सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के पूर्व प्रधान एवं प्रसिद्ध वैदिक विद्वान्

डॉ. रमेश गुप्ता के पूज्य पिता स्व. श्री मदनलाल गुप्ता की श्रद्धांजलि सभा में

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी एवं अन्य आर्य विद्वानों ने पहुँचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के पूर्व प्रधान डॉ. रमेश गुप्ता के पूज्य पिता स्व. श्री मदनलाल गुप्ता का 29 अप्रैल, 2017 को निधन हो गया। उनकी श्रद्धांजलि सभा एवं शांति यज्ञ का आयोजन उनके पैतृक स्थान छबड़ानगर, जिला–बारा, राजस्थान में आयोजित की गई। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री श्री विनय आर्य, प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ. बलवीर आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में योग प्राध्यापक डॉ. अजय शास्त्री, श्री इन्द्रजीत राणा रोहतक, श्री अर्जुन देव चढ्डा कोटा, श्री वरूण आर्य रोहतक आदि ने भाग लिया। इनके अतिरिक्त डॉ. गुप्ता के परिवार के समस्त सम्बन्धी, मित्रगण एवं नगर के गणमान्य महानुभावों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. रमेश गुप्ता ने अपने पूज्य पिता की स्मृतियों को शब्द देते हुए उनके जीवन वृत्त पर विशेष प्रकाश डाला। डॉ. गुप्ता बीच–बीच में कई बार भावुक हुए किन्तु स्वयं को संभालते हुए उन्होंने अपने पिता जी के अनेक अद्भुत संस्मरण सुनाये।

इस अवसर पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने दिवंगत श्री मदन लाल गुप्ता को एक महान पिता बताते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा एवं उनके द्वारा दिये गये संस्कारों के कारण डॉ. रमेश गुप्ता अमेरिका में एक यशस्वी व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने डॉ. रमेश गुप्ता का इस बात के लिए भी विशेष साधुवाद दिया कि उन्होंने अपने पिता जी की अन्तिम सांस तक सेवा करके जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह बहुत कम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि डॉ. गुप्ता अपने पिता के प्रति अटूट श्रद्धा एवं सेवा भाव रखते हैं। समय–समय पर वे अमेरिका से अपने पिताश्री के लिए आवश्यक औषधियाँ, खाद्य पदार्थ तथा अन्य आवश्यक सामान भेजकर उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते थे। ऐसे पुत्र को जन्म देकर निःसंदेह स्व. श्री मदनलाल गुप्ता जी का जीवन सफल हो गया। वे स्वयं एक सुलझे हुए समाजसेवी, परोपकारी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जाने से निःसंदेह समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परमपिता परमात्मा से उनकी आत्मा की शांति एवं सद्गति की प्रार्थना करते हैं।

इस अवसर पर श्री विनय आर्य ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए हम सभी लोग संकल्प लें तथा उनसे प्रेरणा लेते रहें। श्रद्धांजलि सभा का संचालन डॉ. बलवीर आचार्य ने किया। उन्होंने अनेक संस्थाओं द्वारा भेजे गये शोक प्रस्ताव भी पढ़कर सुनाये।

कोटा से पधारे आर्यजनों की ओर से श्री अर्जुन देव चढ्डा ने श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. रमेश गुप्ता की सुयोग्य सुपुत्री प्रिया गुप्ता जो अमेरिका से अपने दादा जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुँची थीं ने एक सुन्दर कविता के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी जीवन की प्रमुख झांकियां पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की।

आर्य समाज फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश के 138वें वार्षिकोत्सव पर

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी द्वारा नव–निर्मित अतिथिशाला का लोकार्पण

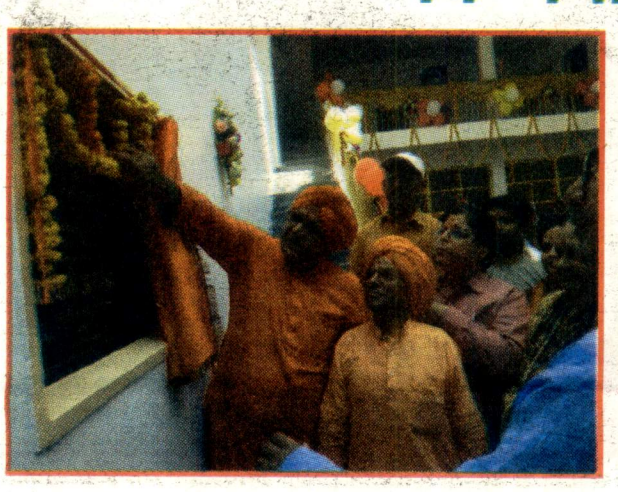

मुम्बई में आर्य समाज की स्थापना के पश्चात् महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती के कर–कमलों द्वारा स्थापित आर्य समाज फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश में गत 15 जून, 2017 को स्व. श्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी एवं श्रीमती प्रभा द्विवेदी की स्मृति में आर्य समाज के यशस्वी मंत्री एवं स्व. ब्रह्मदत्त द्विवेदी के छोटे भाई डॉ. हरिदत्त द्विवेदी द्वारा नव–निर्मित अतिथिशाला का विधिवत लोकार्पण सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के कर–कमलों से सम्पन्न हुआ। विदित हो कि लोकार्पण समारोह 15 जून, 2017 को विशेष रूप से आयोजित किया गया था, जबकि आर्य समाज फर्रुखाबाद का 138वाँ वार्षिक महोत्सव 16 से 18 जून, 2017 तक पूर्व निर्धारित किया हुआ था। आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान् एवं जिला आर्य प्रतिनिधि सभा फर्रुखाबाद के प्रधान आचार्य चन्द्रदेव शास्त्री ने स्पष्ट किया कि आर्य समाज के त्रिदिवसीय वार्षिक महोत्सव में आमंत्रित आर्य विद्वानों एवं अतिथियों द्वारा अतिथिशाला का प्रयोग किया जाना है। अतः उसके लिए आवश्यक है कि महोत्सव से पूर्व 15 जून, 2017 को विधिवत उद्घाटन एवं लोकार्पण करा लिया जाये। आर्य समाज की कार्यकारिणी ने इसीलिए लोकार्पण समारोह का अलग से आयोजन किया जिसमें सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने सम्मिलित होकर अपने कर–कमलों से उद्घाटन करके नव–निर्मित अतिथिशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विशेष यज्ञ आचार्य चन्द्रदेव शास्त्री के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमें आर्य समाज के प्रधान डॉ. भानुदत्त शर्मा, मंत्री डॉ. हरिदत्त द्विवेदी तथा कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र वर्मा सपत्नीक यजमान बने।

यज्ञ में सर्वश्री प्रदीप कुमार शास्त्री फरीदाबाद, विजयपाल सिंह शाहजहांपुर, जयदेव योगाचार्य कासगंज, पं. कमल किशोर अग्निहोत्री राजेपुर आदि गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे। अतिथि भवन लोकार्पण के पश्चात् डॉ. हरिदत्त द्विवेदी ने भावुक होकर अपने अग्रज उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे स्व. श्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की और

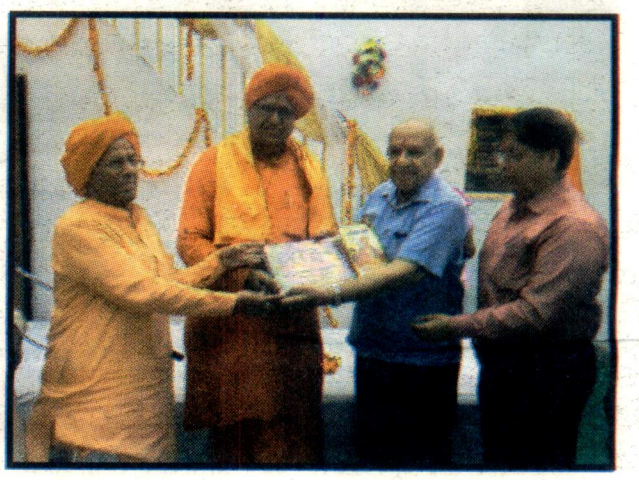

आर्य समाज को भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग देते रहने की घोषणा की। उन्होंने स्वामी आर्यवेश जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी पुनः आर्य समाज में पधारने का निमंत्रण दिया।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने डॉ. हरिदत्त द्विवेदी एवं उनके समस्त परिवार की प्रशस्ति करते हुए कहा कि ऐसे आर्य परिवारों पर सम्पूर्ण आर्य जगत् को गर्व है। जो तन, मन, धन देकर आर्य समाज के कार्य को विशेष गति प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्व. ब्रह्मदत्त द्विवेदी जी जीवित होते तो निश्चित ही आर्य समाज फर्रुखाबाद की यश कीर्ति को वे अपने योगदान से चार चांद लगा देते। हमें बड़ा दुःख है कि उन जैसे समाजसेवी एवं परोपकारी नेता को किसी राजनीतिक षड्यन्त्र के चलते हत्या का शिकार होना पड़ा। कार्यक्रम के पश्चात् उपस्थित जनसमूह को प्रसाद वितरण किया गया।

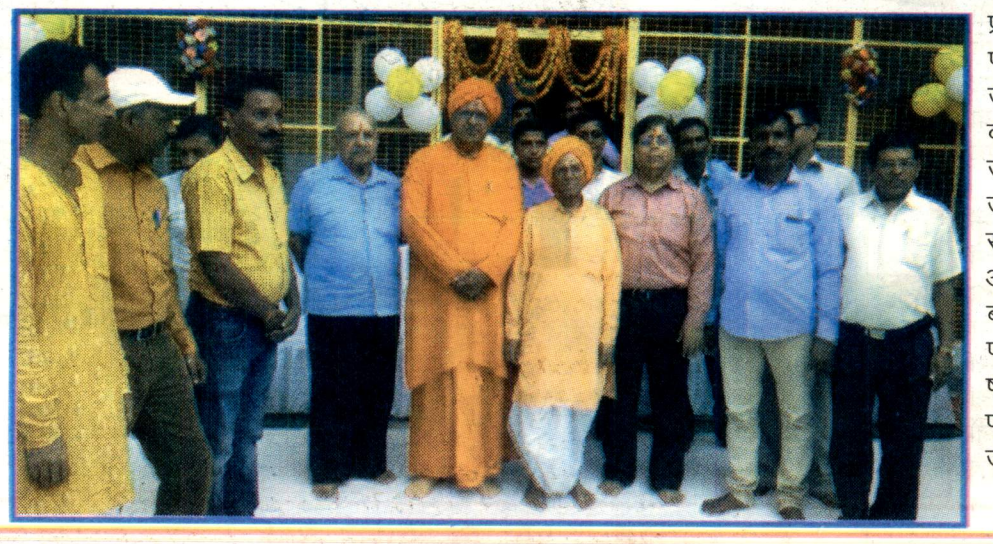

प्रसिद्ध दानवीर चौ. जयभगवान जागलान का मिशीगन अमेरिका में हुआ देहान्त

उनके पैतृक गाँव नौलथा जिला–पानीपत हरियाणा में शांति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

आर्य समाज को समर्पित व्यक्तित्व प्रसिद्ध दानवीर चौ. जयभगवान जागलान एडवोकेट का गत दिनों अमेरिका के मिशीगन शहर में निधन हो गया। वह लगभग 80 वर्ष के थे। ग्राम–नौलथा, जिला–पानीपत, हरियाणा में सन् 1937 में जन्मे चौ. जयभगवान जी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं विशेष प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने वकालत की डिग्री पास करके कई वर्ष तक झज्जर तथा रोहतक में प्रैक्टिस की और उसके बाद वे परिवार सहित अमेरिका चले गये। जब अमेरिका ने उनकी एल.एल.बी. की डिग्री को अमान्य कर दिया तो उन्होंने अमेरिका में नये सिरे से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की और पूरे अमेरिका के लाखों विद्यार्थियों में से 9वां स्थान प्राप्त किया। प्रारम्भ से ही उनके अन्दर उदारता, परोपकार, सेवा एवं धर्म के प्रति विशेष रुचि थी। उन्होंने आर्य समाज की अनेक संस्थाओं से जुड़कर करोड़ों रुपये दान दिये और समाज में विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त की। जीवन के अन्तिम चरण में भी वे अनेक गुरुकुलों, गौशालाओं, अनाथालयों आदि में लाखों रुपयों का दान देकर यश के भागी बने। उनकी स्मृति में 2 जुलाई, 2017 को बाल विकास विद्यालय नौलथा में शांति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा का विशेष आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में सर्वश्री स्वामी आर्यवेश जी प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती आचार्य गुरुकुल गौतमनगर, ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य प्रधान हरियाणा सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, डॉ. अमर कौर आचार्या कन्या गुरुकुल ऐंचरा, आचार्या कन्या गुरुकुल पांढा, आचार्या कन्या गुरुकुल मोर माजरा, आचार्य योगेन्द्र उपाध्याय आदि के अतिरिक्त अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे। शांति यज्ञ का ब्रह्मत्व एवं श्रद्धांजलि सभा का संयोजन मानव सेवा प्रतिष्ठान के कार्यकारी प्रधान आचार्य रामपाल शास्त्री ने किया। उनके साथ प्रतिष्ठान के मंत्री श्री चन्द्रदेव शास्त्री ने यज्ञ की पूरी व्यवस्था संभाली। परिवार की ओर से श्री हरवीर सिंह जागलान (स्व. जयभगवान जागलान के चचेरे भाई) सपत्नीक यजमान बने।

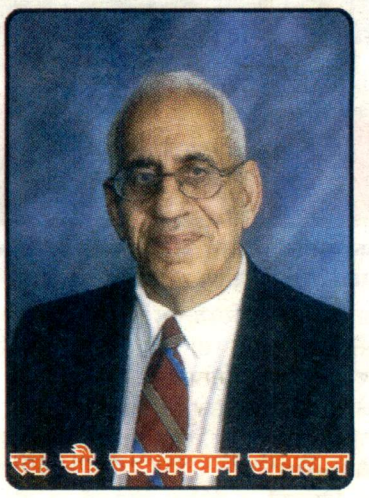

स्व. चौ. जयभगवान जागलान

विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने दिवंगत आत्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके गुणों पर प्रकाश डाला। श्री रामपाल शास्त्री जी ने स्व. जागलान साहब के जीवन की अनेक उपलब्धियों का वर्णन सुनाते हुए बताया कि जब कोई उनकी प्रशंसा करता था तो वे इससे प्रसन्न नहीं होते थे बल्कि यह कहते थे कि तुमने मेरी प्रशंसा करके मेरे पुण्यों को छीन लिया। वे उदार दिल से दान देकर संस्थाओं को विशेष सहयोग करते थे। उनके निधन से आर्य समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। ऐसे दानवीर सदैव स्मरण किये जाते रहेंगे।

– स्वामी आर्यवेश, प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

मध्य भारत आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान डॉ. लक्ष्मणदास आर्य की धर्मपत्नी श्रीमती गीता आर्या का निधन

सार्वदेशिक सभा की तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि

आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत के प्रधान डॉ. लक्ष्मणदास आर्य, अशोक नगर मध्य प्रदेश की धर्मपत्नी श्रीमती गीता आर्या का 7 जून, 2017 को लम्बी अस्वस्थता के बाद निधन हो गया। डॉ. लक्ष्मणदास जी आर्य समाज के समर्पित कार्यकर्ता एवं कर्मठ नेता हैं। उनके सामाजिक कार्यों में स्वर्गीय श्रीमती गीता आर्या का विशेष योगदान रहता था। उनके देहावसान से आर्य समाज के कार्यों को गहरा धक्का लगा। वे एक धर्मपरायणा, कर्त्तव्यनिष्ठ, सेवाभावी स्वभाव वाली माता थीं। उन्होंने अपना जीवन आर्य समाज के सिद्धान्तों के अनुरूप बिताया और अपने जीवन को पवित्रता एवं सात्विकता के साथ जीने का प्रयत्न किया। डॉ. लक्ष्मणदास आर्य सार्वदेशिक सभा की अन्तरंग के वरिष्ठ सदस्य होने के साथ–साथ मध्य भारत सभा के प्रधान भी हैं। धर्मपत्नी के निधन से उपजी इस दुःख की घड़ी में सार्वदेशिक सभा की ओर से हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें तथा शोक–संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

– स्वामी आर्यवेश, प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत
यजुर्वेद भाष्य
भारी छूट पर उपलब्ध
250 रुपये मूल्य का यजुर्वेद भाष्य
मात्र 150 रुपये में दिया जा रहा है
(डाक व्यय अतिरिक्त)
(जल्दी करें ग्रन्थ सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है)
प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के "आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर" का भव्य समापन

महर्षि दयानन्द के आदर्शो पर चलकर युवा समाज की सोच बदलेंगें-शिक्षाविद् डा.अशोक कुमार चौहान

युवा प्रान्तवाद-जातिवाद से उपर उठकर राष्ट्र निर्माण के लिये कार्य करें-राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य

शिक्षाविद् डा.अमिता चौहान व डा.अशोक कुमार चौहान का अभिनन्दन करते परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,डा.धर्मपाल आर्य,प्रवीन आर्या,आस्था,गायत्री मीना व डा.डी.के.गर्ग। द्वितीय चित्र –ठाकुर विक्रम सिंह ओ३म् ध्वज फहराते हुए,साथ में डा.अनिल आर्य,वेदप्रकाश आर्य,गायत्री मीना,एस.सी.ग्रोवर,डा.जयेन्द्र आचार्य व प्रवीन आर्य(गाजियाबाद)

नोएडा। रविवार, 18 जून 2017,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में गत् 10 जून से ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल,सैक्टर–44,नोएडा में चल रहे "विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर" का भव्य समापन हो गया। शिविर में 290 किशोर व युवकों ने प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा, योगासन, दण्ड–बैठक,लाठी,तलवार, जूडो–कराटे, बाक्सिंग,स्तूप,डम्बल,लेजियम, सन्ध्या–यज्ञ, भाषणकला,लेखन कला,नेतृत्व कला,देश भक्ति की भावना,पुरातन गौरवशाली भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व वैदिक विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

समारोह अध्यक्ष डा.अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष,ऐमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि महर्षि दयानन्द महान क्रान्तिकारी थे,उन्होंने वैचारिक सोच बदल कर लोगो के सोचने की दिशा ही बदल डाली,उनके समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज महर्षि दयानन्द के विचारों पर चलकर ही हम पूरे विश्व का नवनिर्माण कर सकते हैं, आज पूरे विश्व का योग दिवस मनाना उसी दिशा में एक सार्थक कदम है। उन्होंने कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को अब समाज में व्यापत अन्धविश्वास,पाखण्ड व सामाजिक कुरीतियों को मिटा कर महर्षि दयानन्द के आदर्शो को स्थापित करने का कार्य करना है। उन्होंने परिषद् के कार्यो की सराहना करते हुए हर सम्भव पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान व संस्कारित युवा ही अब देश की दिशा व दशा को बदलने का कार्य करेंगे। आज देश गम्भीर स्थिति से गुजर रहा है,कहीं अलगाववाद, कही प्रान्तवाद और कहीं जातिवाद के नाम पर आरक्षण देश को बांटने के लिये तैयार खड़े हैं। किसी भी प्रकार के जातिवाद आधारित आरक्षण का आर्य समाज कड़ा विरोध करता है,आज नयी युवा पीढ़ी को समाज ओर राष्ट्र को जोड़ने का कार्य करना है और देश की बहुसंख्यक आबादी युवाओं में देश भक्ति की भावना जागृत करने की आवयश्कता है जिससे देश विरोधी स्वर समाप्त हो सके।

ऐमिटी की चेयरपरसन डा.अमिता चौहान ने अपनी शुभकामनायें प्रदान करते हुए कहा कि आर्य समाज के प्रचार कार्य को आज व्यापक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता है,उन्होंने कहा कि हम डा.अनिल आर्य के कार्य से प्रभावित हैं इसलिये सदैव उनके साथ रहते हैं।

श्री आनन्द चौहान ने अपने सन्देश में कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्रान्ति के अग्रदूत थे उनके स्वप्नों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को करना है, संस्कारवान युवा ही देश में आमूल चूल परिवर्तन ला सकते हैं उन्हीं के कन्धों पर देश का भविष्य टिका हुआ है।

श्री सत्यभूषण आर्य(एडवोकेट) ने ओ३म् ध्वज फहराया,उन्होंने कहा कि कहा कि देश के उत्थान व प्रगति में चरित्र निर्माण शिविरों का अपना विशेष महत्व है, इन युवकों ने ही देश को बदलने में व विश्व के अग्रणी देशों में भारत का स्थान बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभानी है । आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि परिषद् पूरे देश में युवा पीढ़ी को संस्कारित व सुस्कृत बनाने का अभियान तीव्र गति से चलायेगी।

सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन(जालन्धर) के आठों दिन मधुर भजन हुए। व्यायामाचार्य सूर्यदेव आर्य,योगेन्द्र शास्त्री,मनोज आर्य,सौरभ गुप्ता,प्रदीप आर्य आदि के निर्देशन में युवको के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

इस अवसर पर डा.धर्मपाल आर्य (पूर्व कुलपति, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार), आर्य नेता रविदेव गुप्ता, अमीरचंद रखेजा, चतरसिंह नागर, डा.डी.के.गर्ग, बहिन गायत्री मीना, प्रवीनआर्य (गाजियाबाद), यशोवीर आर्य, रामकुमारसिंह, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, प्रवीन आर्या, आनन्दप्रकाश आर्य (हापुड़), कै.अशोक गुलाटी, रविन्द्र सेठ, वेदप्रकाश आर्य, अमरनाथ बत्रा, जीवनलाल आर्य, रविन्द्र मेहता, देवदत आर्य, जितेन्द्र डावर, अर्चना पुष्करना, गोपाल जैन, ओमप्रकाश पाण्डेय, राजकुमारी शर्मा, श्रद्धानन्द शर्मा, सत्यवीर चौधरी, हरिचन्द आर्य, कवि विजय गुप्त, अरूण आर्य, यज्ञवीर चौहान, सुरेश आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, देवेन्द्र भगत, माधव सिंह, रामजीदास थरेजा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। शिविर में सर्वप्रथम शिविरार्थी रितिक सैनी,सर्वद्वितीय साहिल,सर्वतृतीय लोकेश कुमार पुरस्कृत किये गये। समारोह में सैंकडों आर्य जनों ने पधार कर युवा शक्ति का उत्साह वर्धन किया व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर नये उत्साह के साथ घरों को लौटे।

आर्य समाज की नयी तरूणाई अंगड़ाई लेते हुए

ऐमिटी कैम्पस नोएडा में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रविदेव गुप्ता का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य, अमीरचन्द रखेजा, रामजीदास थरेजा, ओमप्रकाश पाण्डेय। द्वितीय चित्र– श्री सत्यभूषण आर्य (एडवोकेट) का अभिनन्दन करते श्री रामकुमार सिंह (प्रदेश संचालक दिल्ली), जितेन्द्रसिंह आर्य (जिला अध्यक्ष फरीदाबाद), सूर्यदेव आर्य (प्रधान शिक्षक जीन्द)

हम मस्तों मे आन मिले कोई हिम्मत वाला रे : छोटा बच्चा समझ के हमसे न टकराना रे

शिविर समापन समारोह में परिषद् के कर्मठ शिक्षकों की टीम डा.अशोक कुमार चौहान व डा.अमिता चौहान जी के साथ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित चरित्र निर्माण शिविरों की चित्रमय झांकी

जीन्द हरियाणा में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न

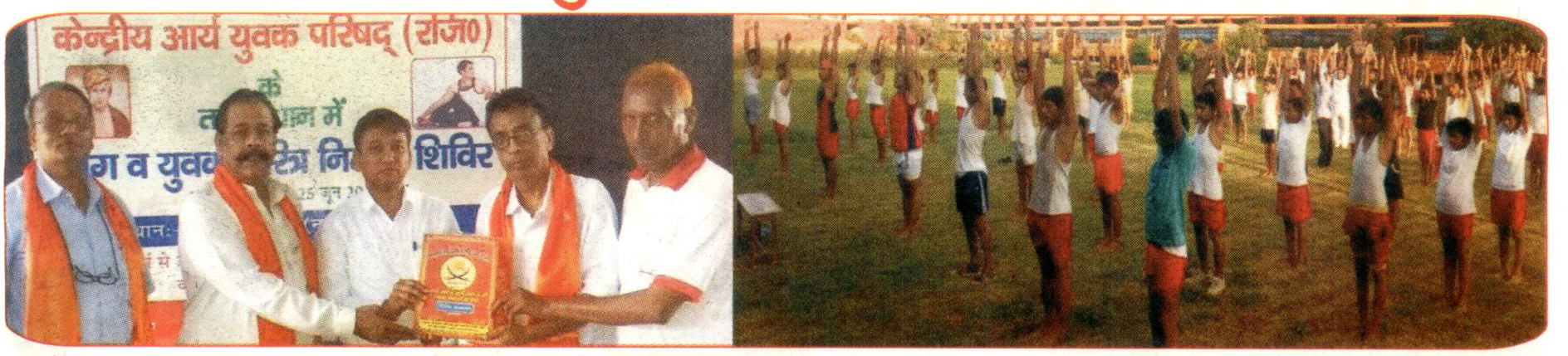

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में एस.डी.पब्लिक स्कूल,जीन्द में विद्यालय के प्रबन्धक श्री लक्ष्मीनारायण बंसल के सान्निध्य में दिनांक 20 जून से 25 जून 2017 तक योग व युवक निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न हुआ। शिविर अध्यक्ष श्री सूर्यदेव आर्य,संयोजक श्री विद्यासागर शास्त्री,शिक्षक श्री विजय राठौर,श्री योगेन्द्र आर्य,श्री वीरेन्द्र शास्त्री का विशेष योगदान रहा। उपरोक्त चित्र में–श्री रमेश कुमार गर्ग(नरवाना) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,श्री राजेश आर्य,जिला अध्यक्ष श्री अश्वनी आर्य व श्री सूर्यदेव आर्य।

जयपुर राजस्थान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर एक नयी उर्जा दे गया

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में श्री यशपाल यश की अध्यक्षता में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 19 जून से 25 जून 2017 तक संस्कृति भवन,जी.एल.सैनी नर्सिंग कालेज,जयपुर में सम्पन्न हुआ। पूर्व न्यायाधीश श्री प्रशान्त अग्रवाल का आशीर्वाद मिला। चित्र में–दिल्ली से प्रधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य शिविर संयोजक डा.प्रमोदपाल को स्मृति चिन्ह से सम्मानित करते हुए,साथ में प्रदेश अध्यक्ष श्री यशपाल यश, देवेन्द्र भगत(दिल्ली), आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार (इन्दौर). श्री सुनील अरोड़ा, श्री अतुल अग्रवाल, शिक्षक सौरभ गुप्ता, श्री प्रदीप आर्य का विशेष योगदान रहा।

पलवल हरियाणा में युवक शिविर व दिल्ली सन्देश विहार में कन्या शिविर सम्पन्न

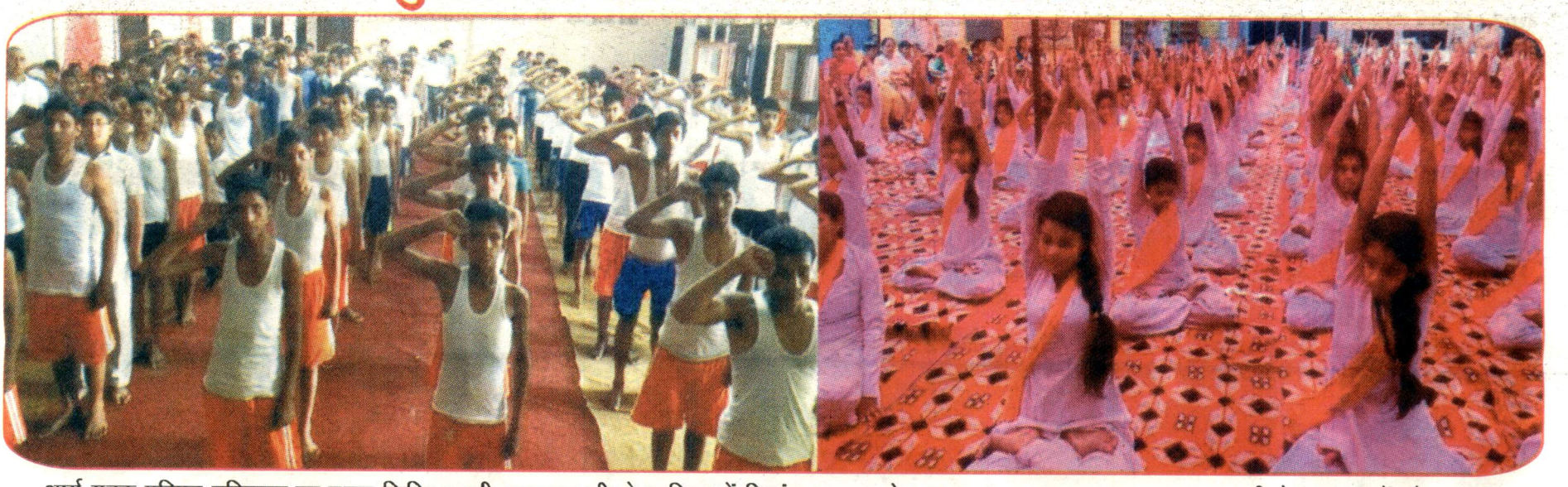

आर्य युवक परिषद् हरियाणा का युवक शिविर स्वामी श्रद्धानन्द जी के सान्निध्य में दिनांक 12 जून से 18 जून 2017 तक दयानन्द स्कूल, पातली गेट,पलवल में सोल्लास सम्पन्न हुआ द्वितीय चित्र–केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में दिनांक 21 मई से 28 मई 2017 तक आर्य कन्या शिविर आर्य समाज सन्देश विहार, पीतमपुरा,दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

श्रद्धा मन्दिर स्कूल फरीदाबाद हरियाणा में युवक शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न

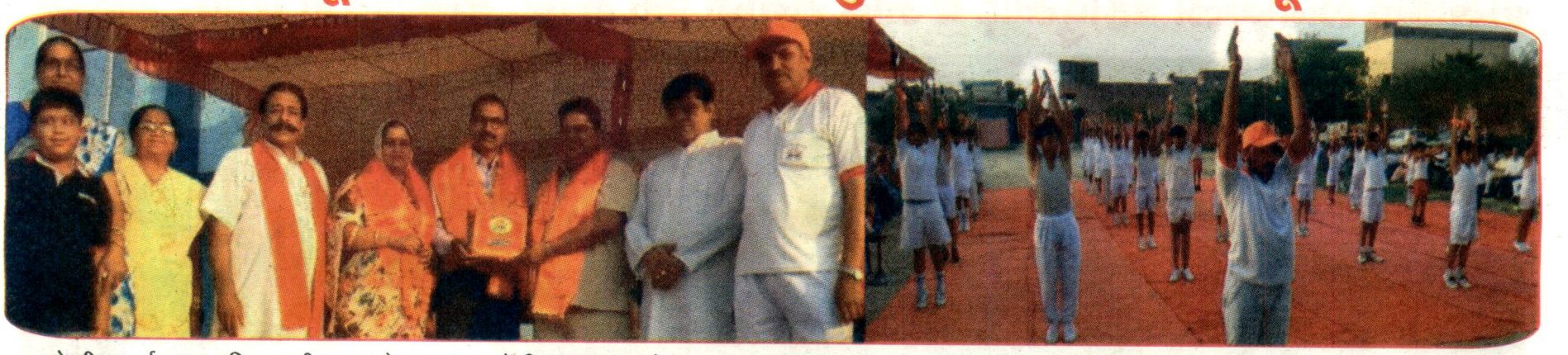

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर शानदार सफलता के साथ सम्पन्न हो गया। चित्र में विद्यालय के प्रबन्धक डा.गजराजसिंह आर्य का सपत्निक अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,आल ऐस्कॉर्टस एम्पलाईज यूनियन फरीदाबाद के प्रधान श्री वजीरसिंह डागर,श्री सत्यभूषण आर्य,जिला अध्यक्ष श्री जितेन्द्रसिंह आर्य,माता विमला ग्रोवर। द्वितीय चित्र–सामने आर्य युवक प्रदर्शन करते हुए। कुशल संचालन महामन्त्री श्री वीरेन्द्र योगाचार्य ने किया। श्री देवेन्द्र यादव,श्रीमती रोजी पण्डित,श्री मकेन्द्र कुमार,श्री मदनलाल तनेजा,श्री पी.के.मितल,श्री महेश गुप्ता आदि भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित चरित्र निर्माण शिविरों की चित्रमय झांकी

बहरोड़ राजस्थान में युवक चरित्र निर्माण शिविर शानदार सफलता से सम्पन्न

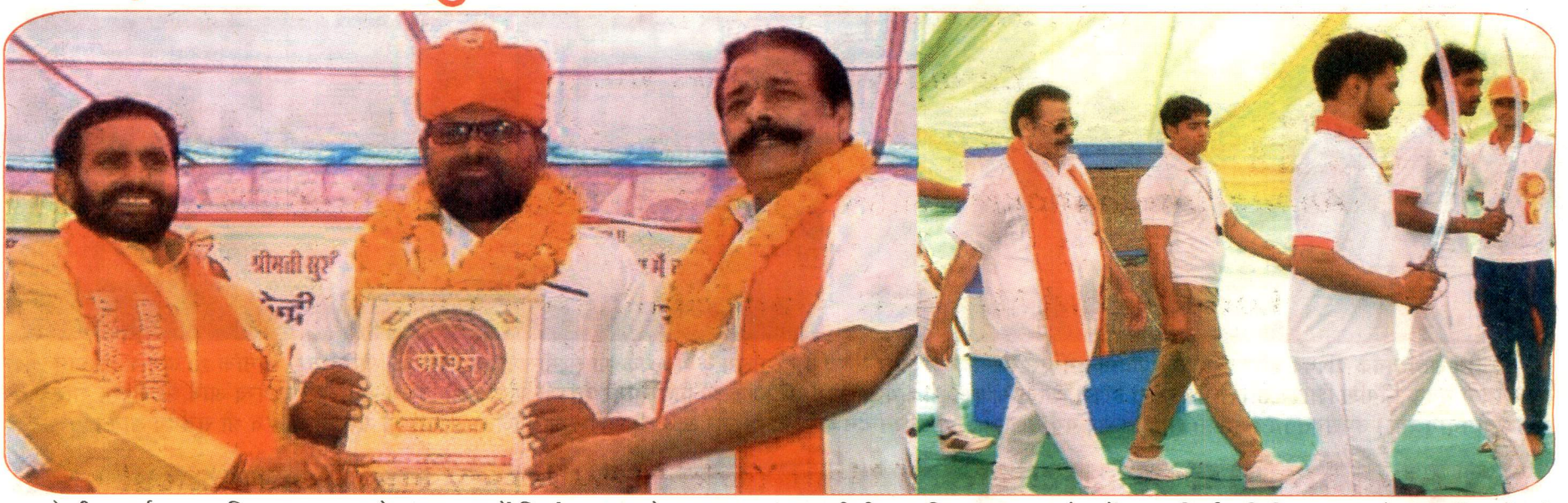

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक डी.वी.एम.पब्लिक स्कूल,बहरोड़ में युवक निर्माण शिविर सम्पन्न हो गया। चित्र में—श्री विरजानन्द जी का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री रामकृष्ण शास्त्री, डा.अनिल आर्य के स्वागत का द्रश्य व आर्य युवकों का भव्य प्रदर्शन।

आर्य समाज राजनगर गाजियाबाद व हापुड़ में कन्या शिविर सोल्लास सम्पन्न

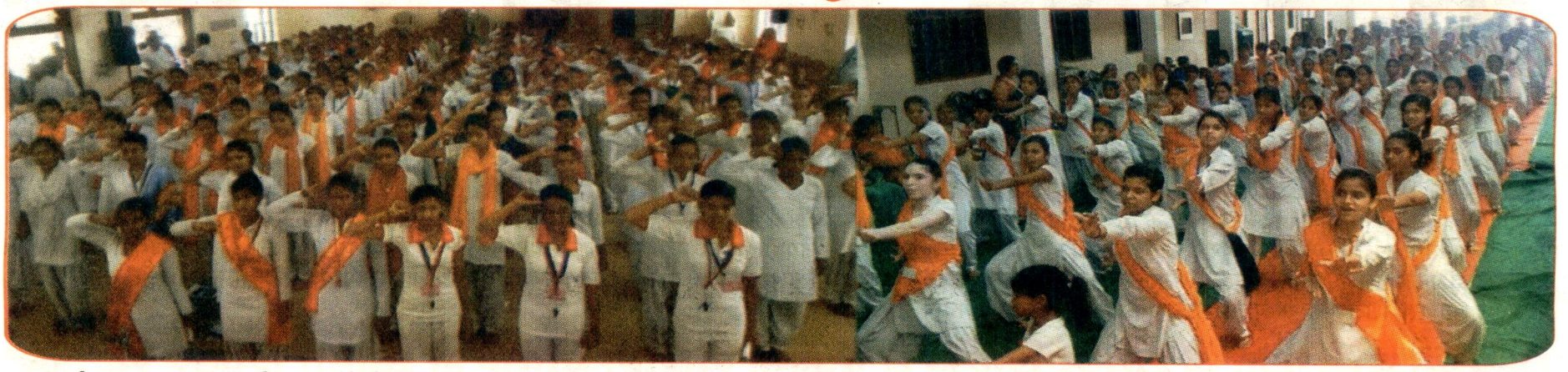

आर्य समाज राजनगर,गाजियाबाद में दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक आर्य कन्या शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। श्री श्रद्धानन्द शर्मा,श्री सत्यवीर चौधरी को हार्दिक बधाई। द्वितीय चित्र—आर्य समाज,हापुड़ के तत्वावधान में आर्य कन्या शिविर दिनांक 25 मई से 31 मई 2017 तक श्री आनन्दप्रकाश आर्य के नेतृत्व में सम्पन्न हो गया । श्री नरेन्द्र आर्य,श्री वेदभूषण,श्री ओमप्रकाश आर्य,श्री विकास आर्य बधाई के पात्र हैं।

ठाकुर विक्रमसिंह ने किया परेड़ निरीक्षण व सिहोर मध्य प्रदेश में शिविर सम्पन्न

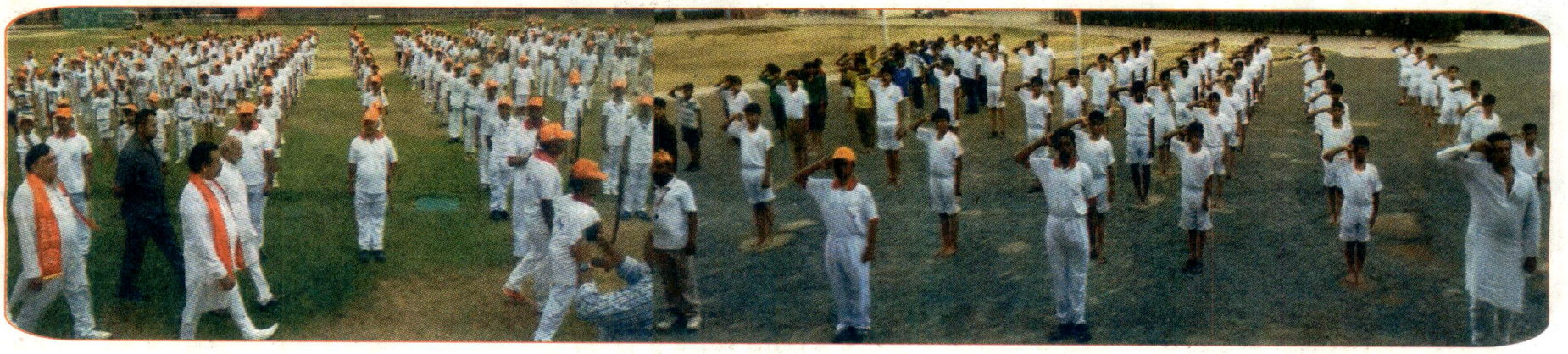

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के युवक शिविर ऐमिटी स्कूल,नोएडा में आर्य युवकों की परेड़ का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि ठाकुर विक्रम सिंह व डा.अनिल आर्य। द्वितीय चित्र— केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के सिहोर नूतन पब्लिक स्कूल में युवक शिविर, शिविर अध्यक्ष श्री सुरेश त्यागी,आचार्य भानुप्रताप वेदांलकार के सानिन्ध्य व श्री विजय राठौर के संयोजन में शानदार सफलता से सम्पन्न हो गया।

गुरूकुल लोवाकलां बहादुरगढ़ व आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल में शिविर सम्पन्न

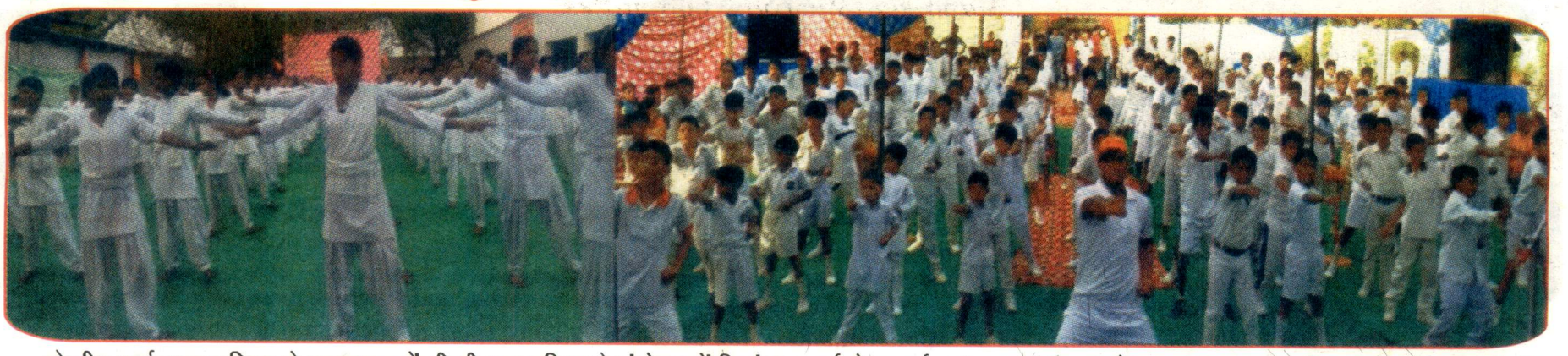

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में श्री श्रीकृष्ण दहिया के संयोजन में दिनांक 22 मई से 28 मई 2017 तक गुरूकुल लोवाकलां बहादुरगढ़,हरियाणा में आर्य कन्या शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। द्वितीय चित्र—केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् करनाल के तत्वावधान में आर्य समाज प्रेम नगर करनाल में दिनांक 31 मई से 4 जून 2017 तक आर्य युवक शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा,जिला अध्यक्ष अजय आर्य,रोशन आर्य,हरेन्द्र चौधरी बधाई के पात्र हैं।

ARYA PRATINIDHI SABHA AMERICA

Congress of Arya Samajs in North America—Established in 1991

224 Florence, Troy, Michigan 48098, USA

www.aryasamaj.com | info@aryasamaj.com | fb.com/vedicamerica

Cordially Welcomes You to

27TH ARYA MAHA SAMMELAN

Annual International Conference of Arya Samaj Organizations

JULY 27-30, 2017

Long Island Marriott, Uniondale, New York, USA

Conference Hosted by

Dropadi Jigyasu Ashram, Flushing, New York

&

Arya Samaj Organizations of New York, New Jersey and Connecticut

***** CONFERENCE HIGHLIGHTS*****

Conference Theme:
"Vedic Dharma & Sanskriti"

*Interactive Seminars on Vedas
*Workshops on Vedic Literature
*World Renowned Vedic Scholars
*Daily Yog & Meditation Sessions
*Parallel Youth Program
*Cultural Programs

Aum Dhwaj Yatra

A Special (padd yatra) Parade for propagation of Vedic Dharma and the message of Arya Samaj

On Sunday, July 30th — 9:30AM, Flushing, New York

REGISTER ONLINE TODAY
www.aryasamaj.com/ams

Early Bird Registration Ends Soon

Adults: All Days / Couples - $400 / Singles - $250 / Adults 1 Day Only - $150
Youth: (Ages 5-25) - $150
Discounted Hotel Rates at Long Island Marriott: $ 159 per Night, (Limited Rooms Available)

For More Information, Please Contact:

Dr. Devbala Ramanathan
Dropadi Jigyasu Ashram
(718) 886-1525

Mrs. Jyoti Gandhi
Arya Samaj of New Jersey
(201) 818-0969

(Sammelan Co-Chairs)

Sh. Jethinder Abbi
Treasurer, APSA
(914) 393-8268

Behan Sati Gurdial
Joint Treasurer, APSA
(631) 512-3778

(Conference Co-Coordinators)

Sh. Vishrut Arya
President
(404) 954-0174

Sh. Bhuvnesh Khosla
General Secretary
(248) 525-9076

Pt. Vedabrat Etwaru
Joint Secretary
(201) 390-5741

Aryapathik Girish Khosla Vaanprasthi
Trustee
(248) 703-1549

Sh. Dev Mahajan
Member Emeritus
(713) 468-4339

(Executive Committee—Arya Pratinidhi Sabha America)

Sammelan Welcome Committee

Sh. Rahul Pandit
(917) 292-6070

Sh. Satish Arya
917-364-7273

Sh. Ranbir Kumar
347-665-7719

Dr. Dharamjit Kumar
917-617-0675

Dr. Ramesh Gupta
201-602-7576

Behan Davi Lakhnath
607-427-3662

Bhai Balram Rambrich
718-343-9647

Dr. Yashpal Arya
516-840-9810

For More Information, and Online Registration visit: www.aryasamaj.com/ams

(347) 770-2792 | mahasammelan@gmail.com | fb.com/vedicamerica

Discounted Early bird Registration For Limited Time Only

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/15-17
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2015-17]

प्रवाह से बचें

**य ईं चकार न सो अस्य वेद य ईं ददर्श हिरुगिन्नु तस्मात्।
स मातुर्योना परिवीतो अन्तर्बहुप्रजा निर्ऋतिमा विवेश।।**

—ऋ० १/१६४/३२; अथर्व० ६/१०/१०

ऋषिः—**दीर्घतमा।।** देवता—**विश्वेदेवा।।** छन्दः—**त्रिष्टुप्।।**

विनय—मनुष्य संसार–सागर में डूबता जाता है। मनुष्य ज्यों–ज्यों 'बहुप्रजा' होता जाता है त्यों–त्यों यह 'निर्ऋति' में–घोर कष्ट में–पड़ता जाता है। विषय–ग्रस्त हुआ मनुष्य इस संसार में एक ही कार्य समझता है, अपने बच्चे पैदा करना, एवं प्रकृति में अपने विस्तार को नाना प्रकार बढ़ाता जाता है। इसीलिए वह बार–बार जन्म पाता है, बार–बार जन्म के घोर कष्टों को अनुभव करता है। ऋषि लोगों ने देखा है कि माता की योनि में आये हुए, जीव को बार–बार बड़ा भारी मानसिक क्लेश भोगना पड़ता है। उस समय वह जीव केवल झिल्ली से ढका हुआ नहीं होता, किन्तु घोर अज्ञान से भी ढका हुआ होता है, क्योंकि 'बहुप्रजाः' के मार्ग पर जाना अज्ञान से ढके जाने से ही होता है। मनुष्य 'ढका हुआ' (परिवीत) होने से ही इस संसार में पागल तथा अन्धे की भाँति रहता है। मनुष्य पागल इसलिए है, क्योंकि वह जो दिन–रात अन्धाधुन्ध काम करता है उस वह जानता नहीं, यूँ ही करता जाता है। मनुष्य खाना–पीना, चलना–फिरना, प्रेम करना, द्वेष करना आदि जो कुछ करता है उसे वह कुछ भी नहीं जानता कि मैं यह क्या कर रहा हूँ, क्यों कर रहा हूँ, इसका क्या प्रभाव होगा। वह नहीं जानता कि इसका ही फल उसे भोगना होगा। वह नहीं जान पाता कि पहले जन्मों में वह न जाने क्या–क्या कर चुका है। अन्धाधुन्ध वह करता जाता है। इसी प्रकार का उसका सब संसार को देखना है। संसार में वह मनुष्य स्त्री, पशु, पहाड़, नदी, आकाश, सभा, समाज, बड़े–बड़े आनन्ददायक दृश्य और बड़े–बड़े रुलाने वाले दृश्य, इन सबको सोते–जागते देखता जाता है, परन्तु वास्तव में वह इन किन्हीं भी वस्तुओं को नहीं देखता। ये सब वस्तुएँ उससे वास्तव में छिपी ही रहती हैं, निःसन्देह छिपी ही रहती हैं। वह देखता हुआ भी किसी भी वस्तु का तत्व नहीं देख पाता। इसीलिए वह 'बहुप्रजाः' होने के प्रकृति में ग्रस्त होने के मार्ग का अवलम्बन करता है और 'निर्ऋति' में पड़ता जाता है। निर्ऋति (पृथिवी) के इस अन्धकार में धंसते जाने की जगह, मनुष्य 'द्यौः' के प्रकाश की ओर जाने लगे, यदि वह इस संसार में जो कुछ करे उसे जानने लगे और जो कुछ देखे उसे साक्षात् करने लगे तभी उसका कल्याण है।

शब्दार्थ—यः=यह मनुष्य **ईम्**=यह जो कुछ **चकार**=करता है **अस्य**=इस किये को **सः न वेद**=वह नहीं जानता। **यः**=वह मनुष्य **ईं ददर्श**=यह जो कुछ देखता है वह **तस्मात्**=उस देखने वाले मनुष्य से **नु हिरुक् इत्**=निःसन्देह छिपा हुआ ही है। **सः**=ऐसा वह मनुष्य **मातुः योना अन्तः**=माता के गर्भाशय में **परिवीतः**=(झिल्ली से और अज्ञान से) ढका हुआ **बहुप्रजाः**=बार–बार जन्म लेता हुआ और बच्चे पैदा करता हुआ **निर्ऋतिम् आविवेश**=बड़े घोर कष्ट में प्रविष्ट होता जाता है।

साभार-'वैदिक विनय' से
आचार्य अभयदेव विद्यालंकार

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

सोशल मीडिया के माध्यम से
स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

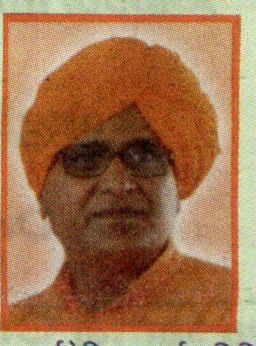

आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।
ई–मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

श्री रामचन्द्र व्यायामशाला, ग्राम–सुंडाना, जिला–रोहतक, हरियाणा में स्वामी इन्द्रवेश सत्संग हाल का शिलान्यास

आर्य समाज के महान संन्यासी युवाओं के प्रेरणास्रोत पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के पैतृक गाँव सुंडाना में गत 20 जून, 2017 को श्री रामचन्द्र व्यायामशाला के प्रांगण में स्वामी इन्द्रवेश सत्संग हाल का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के कर–कमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें अनेकों लोगों ने आहुति प्रदान कर स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शिलान्यास समारोह का आयोजन व्यायामशाला के संचालक श्री प्रदीप कुमार आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर सर्वश्री ईश्वर सिंह आर्य, तारा चन्द आर्य, मा. रामेश्वर आर्य, बहन प्रवेश आर्या एवं ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरान्त सुन्दर ऋषि लंगर की व्यवस्था की गई थी जिसमें सभी उपस्थित महानुभावों ने श्रद्धा के साथ सुस्वाद भोजन का आनन्द लिया।

आर्य समाज फरेरा, जिला–आगरा के वार्षिकोत्सव पर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी द्वारा संन्यास एवं वानप्रस्थ की दीक्षाओं का कार्यक्रम सम्पन्न

स्वामी आर्यवेश जी ने गत 14 जून, 2017 को आर्य समाज फरेरा, जिला–आगरा के वार्षिकोत्सव में पधार कर महात्मा नन्दमुनि को संन्यास की दीक्षा दी एवं चार अन्य महानुभावों को वानप्रस्थ में दीक्षित किया। महात्मा नन्दमुनि जी ने कुछ वर्ष पहले वानप्रस्थ की दीक्षा भी स्वामी आर्यवेश जी से ही ली थी और उन्होंने ही संन्यास की दीक्षा लेने के लिए स्वामी आर्यवेश जी को अपने गाँव के आर्य समाज के वार्षिकोत्सव में आमंत्रित किया था। स्वामी आर्यवेश जी ने फरेरा आर्य समाज के वार्षिकोत्सव में पहुंचकर 14 जून, 2017 को प्रातः यज्ञ के अवसर पर वानप्रस्थी नन्दमुनि को संन्यास की दीक्षा दी तथा उनका नाम स्वामी योगानन्द सरस्वती रखा। इसी प्रकार श्री पूर्ण सिंह आर्य को वानप्रस्थ की दीक्षा देकर पूर्णमुनि तथा तीन अन्य महानुभावों को देवमुनि, शंकरमुनि आदि नाम देकर वानप्रस्थ की दीक्षा प्रदान की।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने वर्ण तथा आश्रम व्यवस्था के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्षेत्र की आर्य जनता ने स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त उत्सव में स्वामी सम्पूर्णानन्द, स्वामी आत्मानन्द, स्वामी शांतानन्द के अतिरिक्त अन्य वानप्रस्थी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन स्वामी योगानन्द के सुपुत्र श्री टीकम सिंह आर्य ने बड़ी कुशलता के साथ किया। आगरा के जुझारू आर्य नेता श्री रमाकान्त सारस्वत भी स्वामी आर्यवेश जी के साथ उत्सव में सम्मिलित हुए।

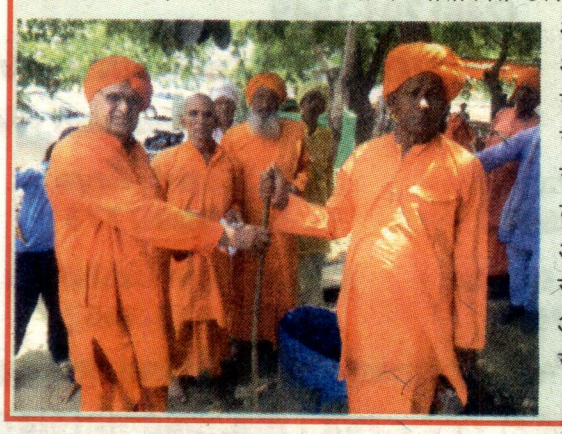

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।